महत्वपूर्ण एवं खास

आरटीई के तहत ऑनलाईन आवेदनकर्ता आवश्यक दस्तावेज 12 जून तक जमा करें

रायगढ़। शिक्षा के अधिकार अधिनियम अंतर्गत अशासकीय शालाओं में निःशुल्क प्रवेश के लिए गत 5 जून तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये थे। उपरोक्त आवेदन पत्रों की ऑनलाइन जांच नोडल अधिकारी के द्वारा 8 जून 2018 तक स्थिति में परिवर्तन करते हुये ऑनलाइन डुप्लीकेट अथवा आंशिक प्रमाणित होने की प्रविष्टि की जायेगी। शेष बचे हुये आंशिक प्रमाणित आवेदन शालावार 09 जून से 12 जून 2018 तक नोडल अधिकारी के द्वारा जहां लाटरी सिस्टम की आवश्यकता होगी वहां पर लाटरी (ऑफलाइन माध्यम) से किया जायेगा। इसके पूर्व सभी नोडल अधिकारी अपने अधीनस्थ शालाओं में आवेदित आवेदन पत्रों की हार्डकापी एवं आवश्यक दस्तावेज 9 जून से 10 जून तक अनिवार्य रूप से एकत्र कर लेंगे एवं पात्रता की जांच कर लेवें। सभी पालक जिन्होंने आर.टी.ई. अधिनियम के तहत निःशुल्क शिक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन किया है वे सभी पालक आवेदन की हार्ड कापी प्रिंटकर आवश्यक दस्तावेज जैसे- जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड (बालक एवं पालक दोनों का), जाति प्रमाण पत्र, बीपीएल प्रमाण पत्र, अपने आवेदित अशासकीय शाला के नोडल अधिकारी के पास 09 जून से 12 जून तक अनिवार्य रूप से जमा करा दें, ताकि नोडल अधिकारी उक्त आवेदन को प्रमाणित कर सके। आवेदन एवं दस्तावेजों के अभाव में आपका आवेदन नोडल अधिकारी द्वारा अमान्य किया जा सकता है।

सीएसआर शिक्षकों की नियुक्ति हेतु 16 जून तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। रायगढ़ जिला अंतर्गत शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों में अंग्रेजी, गणित, रसायन, भौतिकी, जीव विज्ञान, वाणिज्य विषय हेतु उद्योगों द्वारा सी.एस.आर. शिक्षकों की नियुक्ति की जानी है। स्नातकोत्तर पात्रताधारी इच्छुक अभ्यर्थी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से रिक्त विषय की जानकारी प्राप्त कर 16 जून 2018 तक आवेदन संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते है। बीएड प्रशिक्षित आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। इस संबंध में अन्य जानकारी के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, रायगढ़ में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संपर्क कर सकते हैं।

एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा 9 जून को

रायगढ़। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार एवं बाह्य परीक्षक की सहमति पर के.एम.टी.शासकीय कन्या महाविद्यालय में एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर 2018 की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा 9 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे आयोजित की गई है। छात्राएं उक्त तिथि एवं समय पर अनिवार्यतः अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

जन आंदोलन बनने की ओर अग्रसर

रायगढ़। एनटीपीसी लारा आंदोलन विगत 80 दिनों से चल रहा है जो अब पूरे जोश के साथ जन आंदोलन की ओर अग्रसर है, भू-विस्थापितों की 1 सूत्रीय मांग स्थाई नौकरी को लेकर के शांतिपूर्वक आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन को सभी सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त हो चुका है। इनका समर्थन करते हुए

पुसौर क्षेत्र के जागृत किसान संगठन द्वारा उनकी मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन 8 जून को पुसौर ब्लाक मुख्यालय के पास प्रदर्शन करेंगे जिसमें भारी संख्या में किसानों उपस्थित होने की संभावना है। इसमें किसी प्रकार की कोई संदेह नहीं की यह आंदोलन अब एक जन आंदोलन बनता जा रहा है। इस आंदोलन को अन्य क्षेत्र के किसान संगठनों द्वारा भी समर्थन प्राप्त हुआ है तथा आगामी दिनों में उनके द्वारा भी एक दिवसीय धरना कार्यक्रम रखा जा सकता है। क्योंकि यहां एनटीपीसी लारा द्वारा 1800 लोगों को पुनर्वास राशि बांटी गई है तथा शेष 800 लोगों को अपात्र किया जा रहा है जिसके कारण इस क्षेत्र में किसानों में असंतोष फैला हुआ है। इसमें दो मत की बात नहीं है कि शांति से चलता हुआ यह आंदोलन आगामी दिनों में उग्र रूप ले सकता है। आज तक की स्थिति में एनटीपीसी प्रबंधन चुप्पी साधे हुए हैं और केवल कांटेक्ट बेस पर रोजगार प्रदान करने का दावा कर रहा है जबकि छत्तीसगढ़ पुनर्वास नीति में स्पष्ट यह उल्लेख है कि वह विस्थापित प्रभावित के व्यक्ति को स्थाई रोजगार प्रदान किया जाए। जो कि एनटीपीसी लारा में प्रशासन द्वारा पालन करवाने में असफल रहा है। जो कि क्षेत्र के लिए बहुत विडंबना की बात है जिस जमीन पर किसान अपने परिवार का भरण पोषण करता आ रहा है आज उसकी जमीन छीन चुकी है और आज उसके पास ना रोजगार है और ना ही कोई अन्य विकल्प।

विकास यात्रा-2018

सारंगढ़ में बनेगा 100 बिस्तर चिकित्सालय

जिला पुर्नगठन होने पर सारंगढ़ को सर्वोच्च प्राथमिकता

10 हजार से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायत बनेंगे नगर पंचायत

रायगढ़। प्रदेश व्यापी विकास यात्रा के तहत मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह आज गुरूवार को रायगढ़ जिले के सारंगढ़ पहुंचे। यहां पर उन्होंने सारंगढ़ में 100 बिस्तर चिकित्सालय स्वीकृत करने की घोषणा की तथा बताया कि 10 हजार से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी जिला पुर्नगठन होगा उस समय सारंगढ़ को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने इस अवसर पर 108 करोड़ 80 लाख 53 हजार रुपए की लागत के 38 विभिन्न निर्माण कार्यों की सौगात दी, जिसमें 100 करोड़ 98 लाख 59 हजार रुपए की लागत से बनने वाले 21 कार्यों का शिलान्यास और 7 करोड़ 81 लाख 94 हजार रुपए की लागत से निर्मित 17 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. सिंह इस मौके पर 30711 हितग्राहियों को 40 लाख 36 हजार रुपए के राशि की सामग्री सहित 26443 हितग्राहियों को आबादी पट्टे का वितरण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री विष्णुदेव साय, सारंगढ़ विधायक श्रीमती केराबाई मनहर, रायगढ़ विधायक रोशन लाल अग्रवाल, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नारायण चंदेल, सचिव लोक निर्माण विभाग सुबोध सिंह भी उपस्थित थे।

11 तक आपरेशन गर्जना प्रशिक्षण शिविर

रायगढ़। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपरेशन गर्जना पूरे प्रदेश भर में चलाई जा रही है। रायगढ़ में यह कार्यक्रम पुलिस विभाग, महिला बाल विकास विभाग और मितान पुलिस टाईम्स के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को शाम साढ़े 5 बजे मेन स्टेडियम में रायगढ़ विधायक रोशन लाल अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक दीपक झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जाटवर, महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रधान, समाज सेवी एवं द्रौपदी फाउण्डेशन के संरक्षक रामदास अग्रवाल, समाजसेविका आशा त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष लाइनेस क्लब एवं दिव्यशक्ति प्रमुख कविता बेरीवाल सहित अन्य विशिष्ठ अतिथियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण के लिए काफी संख्या में महिलाएं एवं बच्चियां मौजूद थी। इस दौरान राष्ट्रीय स्तर के मार्शल आर्ट चैम्पियन बच्चियों की ओर से अपनी कला का प्रदर्शन किया गया।

अधिवक्ता विवेक सारस्वत राजनांदगांव में सम्मानित

रायगढ़। रायगढ़ के युवा अधिवक्ता विवेक सारस्वत का राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ सेल टैक्स बार कौंसिल द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद और राजनांदगांव नगर निगम के महापौर मधुरसुदन यादव एवं कौंसिल के अध्यक्ष सुरेश एच लाल उपस्थित रहें।विदित हो कि रायगढ़ टैक्स एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता विवेक सरस्वत को वैट पुस्तके लिखने एवं जीएसटी पर बेबसाईट, सीजीजीएसटी डॉट कॉम साइड बनाने वाले देश के पहले अधिवक्ता हैं। जिसको लेकर कार्यक्रम में उन्हें जीएसटी के क्षेत्र एकेडमिक कार्यो को लेकर प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। विगत दिनों राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ सेल टैक्स बार कौंसिल के नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में रायगढ के सदस्यों ने भी भागीदारी दर्ज की थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मधुरसुदन यादव ने देश के एक देश एक कर प्रणाली के अंतर्गत लागू जीएसटी के क्रियान्वयन में अधिवक्ता एवं सीए का महत्वपूर्ण योगदान तथा इस कर प्रणाली में आने वाले कठिनाईयो का समय -समय पर शासन को महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए उन्हें बधाई के पात्र बताया ।उन्होंने रायगढ़ के अधिवक्ता विवेक सारस्वत का भी मंच से तारीफ करने नही चुके और कहा की आज मुलाकात पहली बार हुआ हैं लेकिन मैं नाम सुना था कि वे अपने व्यस्ततम समय में भी लोगो को टैक्स की नई जानकारी देने हमेशा तत्पर रहते हैं । कार्यक्रम के दौरान राजनांदगांव टैक्स बार के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन ,सचिव कमलकिशोर साहू, वरिष्ठ अधिवक्ता रामचंद्र राठी, जुगलकिशोर अग्रवाल, सुगनचंद सांखला, प्रकाशचंद सांखला, शिवकुमार चौरसिया, महेश प्रसाद शर्मा सहित प्रदेशभर के अलग अलग क्षेत्र के अधिवक्ता सी ए एवं कर सलाहकार उपस्थिति रहे हैं।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- अंतिम गुप्त शासक विष्णुगुप्त था।
- गुप्त साम्राज्य की सबसे बड़ी प्रादेशिक ईकाई देश थी, जिसके शासक को गोप्ना कहा जाता था। एक दूसरी प्रादेशिक ईकाई भूक्ति थी, जिसके शासक उपरिक कहलाते थे।
- भूक्ति के नीचे विषय नामक प्रशासनिक इकाई होती थी, जिसके प्रमुख विषयपति कहलाते थे।
- पुलिस विभागका मुख्य अधिकारी दण्डपाशिक कहलाता था।
- पुलिस विभाग के साधारण कर्मचारियों को चाट एवं भाट कहा जाता था।
- प्रशासन की सबसे छोटी इकाई ग्राम थी। ग्राम का प्रशासन ग्राम सभा द्वारा संचालित होता था। ग्राम सभा का मुखिया ग्रामीक कहलाता था एवं अन्य सदस्य महत्तर कहलाते थे।
- ग्राम समूहों की छोटी इकाई को पेठ कहा जाता था।
- गुप्त शासक कुमारगुप्त के दामोदरपुर ताम्रपत्र में भूमि बिक्री सम्बधी अधिकारियों के क्रियाकलापों का उल्लेख है।
- भू राजस्व कुछ उत्पादन का एक चौथाई भाग से एक छठा भाग हुआ करता था।
- आर्थिक उपयोगिता के आधार पर निम्न प्रकार की भूमि थी।
- सिंचाई के लिये रहट या घंटी यंत्र का प्रयोग होता था।
- श्रेणी के प्रधान को ज्येष्ठक कहा जाता था।
- गुप्तकाल में उज्जैन सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था।
- गुप्त राजाओं ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएं जारी कीं। इनकी स्वर्ण मुद्राओं को अभिलेखों में दीनार कहा गया है।
- कायस्थों का सर्वप्रथम वर्णन याज्ञवल्क्य स्मृति में मिलता है।
- विंध्य जंगल में शबर जाति के लोग अपने देवताओं को मनुष्य का मांस चढ़ाते थे।
- पहली बार किसी के सती होने का प्रमाण 510 ई. के भानुगुप्त के एरण अभिलेख से मिलता है, जिसमें किसी भोजराज की मृत्यु पर उसकी पत्नी के सती होने का उल्लेख है। गुप्तकाल में वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को गणिका कहा जाता था। वृद्ध वेश्याओं को कुट्टनी कहा जाता था।
- गुप्त सम्राट वैष्णव धर्म के अनुयायी थे तथा उन्होंने इसे राजधर्म बनाया था। विष्णु का वाहन गरूड़ गुप्तों का राजचिन्ह था। गुप्तकाल में वैष्णव धर्म संबंधी सबसे महत्वपूर्ण अवशेष देवगढ़ का दशावतार मंदिर है। यह देवता नदी के तट पर स्थित है।
- अजन्ता में निर्मित कुल 29 गुफाओं में वर्तमान में केवल 6 ही शेष हैं, जिनमें गुफा संख्या 16 एवं 17 ही गुप्तकालीन है। इसमें गुफा संख्या 16 में उत्कीर्ण मरणासन्न राजकुमारी का चित्र प्रशंसनीय है।
- गुफा संख्या 17 के चित्र को चित्रशाला कहा गया है। इस चित्रशाला में बुद्ध के जन्म, जीवन, महाभिनिष्क्रमण एवं महापरिनिर्वाण की घटनाओं से संबंधित चित्र उद्धृत किये गए हैं।
- अजंता की गुफाएं बौद्धधर्म की महायान शाखा से संबंधित है।
- गुप्तकाल में निर्मित अन्य गुफा बाघ की गुफा है, जो बाघ नामक स्थान पर विंध्यपर्वत को काटकर बनाई गई थी।
- चन्द्रगुप्त दो के शासनकाल में संस्कृत भाष का सबसे प्रसिद्ध कवि कालिदास थे।

स्वास्थ्य

गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट है आइस क्यूब फेशल

चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने में बर्फ से बेहतर और कुछ नहीं है। यही बात फेस पर भी लागू होती है। अगर आप करवाने जा रही हैं फेशल तो आपके लिए बेस्ट रहेगा आइस क्यूब फेशल। खास बात यह कि इसे करवाने के लिए आपको पार्लर जाने की जरूरत नहीं और आप इसे घर पर ही बड़ी आसानी से कर सकती हैं। गर्मियों से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स से निजात दिलाने के साथ ही आइस क्यूब्स से आपकी स्किन में आएगा ग्लो और शाइन...

आइस-क्यूब फेशल आपके चेहरे को इंस्टेंट ग्लो देता है। इसके लिए खीरे के रस, शहद और नींबू के रस का मिक्सचर बनाएं और इसे आइस ट्रे में जमा लें। फिर इसे हल्के हाथों से 3 से 5 मिनट तक चेहरे पर मलें। इसे 5 मिनट के चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और फिर धो लें। ये त्वचा को शाइनिंग देने के साथ ही उसे हेल्दी भी रखेगा।

बर्फ मलने से पोर्स सिकुड़कर कम हो जाते हैं, जिससे स्किन से निकलने वाले ऑइल की मात्रा भी कम हो जाती है। फेस से ऑइल कम होता है, तो उस पर धूल, मिट्टी आदि के चिपकने का खतरा कम होता है जिससे स्किन ज्यादा ग्लोइंग और खूबसूरत नजर आती है। इससे पसीने की समस्या से भी निजात मिलता है। इसके लिए बर्फ के टुकड़े को कॉटन के कपड़े में लपेट कर 30 मिनट तक चेहरे की मालिश करें। इससे खुले रोम छिद्र भर जाते हैं।

रोज़ाना आइस मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जिससे समय से पहले झुर्रियां या बढ़ती उम्र की निशानियों से छुटकारा मिलता है। मुट्ठीभर बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर, हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। वहीं, अगर सनबर्न से स्किन जल गई है और उस पर दाग धब्बे आ गए हैं, तो एक मलमल के कपड़े में एक बर्फ का टुकड़ा डाल कर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। आप आइस क्यूब जमाते समय उसमें ऐलोवेरा डाल देंगी, तो आपको एक से दो दिन में ही प्रॉब्लम से राहत मिल जाएगी।

आइस क्यूब फेशल चेहरे पर मसाज का भी काम करता है। अगर आपके चेहरे पर फैट है, तो बर्फ का एक टुकड़ा हर दिन 3-4 मिनट तक चेहरे पर रगड़ने से 2-4 हफ्ते में चेहरे की चर्बी कम हो जाएगी।

लगातार काम करने से आंखें थक जाती हैं। इसके लिए आप अपनी आखों पर बर्फ की मालिश करें।

आंखों के नीचे काले घेरे पड़ गए हैं तो इनके लिए खीरे के रस और गुलाब जल को आइस क्यूब ट्रे में डालकर जमा लें। इसके इस्तेमाल से डार्क सर्कल की समस्या जल्द दूर हो जाएगी। अगर आंखों में सूजन है तो बर्फ तुरंत आपकी आंखों को रिलैक्स कर देगी। बेहतर और तेज रिज़ल्ट्स के लिए एक कप पानी में स्ट्रॉन्ग ग्रीन टी को उबालकर फिर इसे आइस-ट्रे में जमा लें। ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स होते हैं और साथ ही थोड़ी मात्रा में कैफीन आंखों की सूजन से भी आराम देता है।

आपके बेडरूम के इन हिस्सो में छिपा है आपके स्वास्थ्य का राज

घर में हमारा बेडरूम सबसे खास जगह होता है। इस जगह पर ही हम सबसे ज्यादा समय गुजारते हैं। इसलिए बेडरूम ऐसा होना चाहिए जो हमारे स्वास्थ्य को भी ठीक रखे और हमारे मन को भी खुशी देने वाला हो। एक अध्ययन में पता चला है कि हम जीवन का 36 प्रतिशत हिस्सा बेडरूम में गुजारते हैं। लेकिन हमारे जीवन का सबसे खास हिस्सा यानि बेडरूम कब गंदा हो जाता है इसका हमें पता भी नहीं चलता। बेडरूम कई बार विषैले तत्वों से भर जाता है जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बेडरूम में जो चीजें हानिकारक हो सकती है वो हिस्से आपको बता रहे है।आजकल गद्दों में आग लगने से बचाने के लिए जिन रसायनों का इस्तेमाल होता है वो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। ये धीरे-धीरे कमरे में किसी भी चीज के संपर्क से फैल सकते हैं। इसलिए रूम में प्रोपर वेंटिलेशन होना चाहिए। साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए।इसके अलावा बेडरूम में बिछे कार्पेट में भी धूल के कण एलर्जी और अस्थमा का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा त्वचा में जलन और सूजन भी हो सकती है। बेडरूम के फर्नीचर से भी आखें जलने लगती है। इन पर किए जाने वाले पेंट से खतरनाक गैस निकलने लगती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैतकिए में फफूंद की कई सारी प्रजातियां पाई जाती है। यह हवा के सपंर्क में आने से या फिर किसी के तकिए के इस्तेमाल से भी फैल जाती है। इससे सांस संबंधी परेशानी, सिर में खुजली, मुहांसे और एलर्जी होने लगती है। इसलिए समय-समय पर तकिए को धूप में सुखाना चाहिए और 2 साल में तकिए को बदल देना चाहिए।